ToB बालमंच

मासिक सितम्बर- 2023 नन्हीं कलम से ……….. ✍

मानसून विशेषांक

इस अंक में पढ़ें

बिजली चमकने के बाद ही बादल क्यों गरजते हैं?

क्रिएटिव डिजाइनर सह सम्पादक :- त्रिपुरारि राय

म. वि. रौटी, महिषी (सहरसा)

प्रधान संपादिका :- रूबी कुमारी

उ. म. वि. सरौनी, बौंसी (बाँका)

अंक- 30

प्रधान संपादिका के कलम से.....

प्यारे बच्चों ,

बाल कलाकारों के उत्कृष्ट क्रियाकलापों, रचनाओं, गतिविधियों को समर्पित "ToB बालमंच" का मानसून विशेषांक प्रकाशित करते हुए हमें अपार हर्ष की अनुभूति हो रही है।

बच्चों ,मानसून या पावस, मूलतः एवं अरब सागर की ओर से भारत के दक्षिण-पश्चिम तट पर आने वाली हवाओं को कहते हैं जो भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश आदि में भारी वर्षा करातीं हैं। ये ऐसी मौसमी पवन होती हैं, जो दक्षिणी एशिया क्षेत्र में जून से सितंबर तक, प्रायः चार माह सक्रिय रहती है। इस शब्द का प्रथम प्रयोग ब्रिटिश भारत में (वर्तमान भारत, पाकिस्तान एवं बांग्लादेश) एवं पड़ोसी देशों के संदर्भ में किया गया था। ये बंगाल की खाड़ी और अरब सागर से चलने वाली बड़ी मौसमी हवाओं के लिये प्रयोग हुआ था, जो दक्षिण-पश्चिम से चलकर इस क्षेत्र में भारी वर्षाएं लाती थीं। हाइड्रोलोजी में मानसून का व्यापक अर्थ है- कोई भी ऐसी पवन जो किसी क्षेत्र में किसी ऋतु-विशेष में ही अधिकांश वर्षा कराती है।

बच्चों मानसून जितना सुहाना होता है ,उतना ही चुनौतियों से भरा होता है । मानसून के समय स्वस्थ रहने के लिए अनेक सावधानियों को बरतने की आवश्यकता होती है क्योंकि इस वक्त संक्रमण फैलने की संभावना अधिक होती है। इस समय हमें व्यक्तिगत स्वच्छता का ध्यान रखना बहुत जरूरी है, साथ ही पानी खूब तथा उबाल कर पीना चाहिए। घर के आस पास गंदा या पानी के जमाव को रोकने के लिए प्रयासरत रहना चाहिए क्योंकि मच्छरों के फेलने से हमें अनेक बिमारियों का सामना करना पड़ सकता है। ताजे फल सब्जियां तथा भोजन का इस्तमाल करना चाहिए। बासी या बिना ढके भोजन बिल्कुल नहीं करना चाहिए। कुएं का पानी बिना उबाले नहीं पीना चाहिए।

उम्मीद है आप इन सावधानियों को बरतते हुए शारीरिक व मानसिक उन्नति के लिए अग्रसर रहेंगे और बालमंच में अपना महत्तवपूर्ण योगदान देते रहेंगे। मुझे उम्मीद है की आप हमारी अपेक्षाओं पर खरे उतरेंगे।

यह अंक आपको कैसा लगा? आपके मन की बातों को आप ईमेल या व्हाट्सएप के माध्यम से अवश्य भेजें। हम इसे भी बालमन नामक स्थाई स्तंभ के रूप में प्रमुखता से प्रकाशित करेंगे ।

हमारे नन्हे-मुन्ने बच्चों तथा ToB बालमंच की उज्जवल भविष्य की शुभकामनाओं के साथ......

रूबी कुमारी

प्रधान संपादिका. ToB बालमंच

सम्पादकीय

नमस्कार बालमित्रों,

मानसून शब्द एक अरबी शब्द से लिया गया है जिसका अर्थ 'मौसम' होता है। मानसून मौसमी हवा की प्रणाली है जो गर्मियों में महासागरों से महाद्वीपों की ओर निरंतरता और नियमितता के साथ और सर्दियों में विपरीत दिशा में चलती है। ये पवन परिवर्तन महाद्वीपों और निकटवर्ती महासागरों के वार्षिक ताप और शीतलन में अंतर के कारण होते हैं। देश में अच्छे मॉनसून की भविष्यवाणी होते ही अखबार हों या टीवी चैनल, हर तरफ खुशी की लहर नजर आने लगती है। अर्थव्यवस्था के अच्छे भविष्य की उम्मीदें जोर पकड़ने लगती हैं। कभी इसे खेती और किसानों के लिए बेहतर दिनों की भविष्यवाणी बताया जाता है, तो कभी कंज्यूमर और कंज्यूमर प्रोडक्ट बनाने वाली कंपनियों के लिए अच्छी खबर। देश के तमाम हिस्सों में पीने के पानी की कमी, नदियों, तालाबों और बांधों के सूखने और जमीन के भीतर पानी का स्तर लगातार नीचे गिरने जैसे खबरें लगातार आती रहती हैं। इंसान की जिंदगी को खतरे में डालने वाले इन हालात से निपटने के लिए मॉनसून की झमाझम बारिश बेहद जरूरी है। इन धारणाओं के पीछे बेहद सीधे-सरल तर्क काम करते हैं - अच्छी बारिश से फसल अच्छी होगी, फसल अच्छी होगी तो किसानों की आमदनी बढ़ेगी, किसानों के पास ज्यादा पैसे होंगे तो कंज्यूमर डिमांड बढ़ेगी और जब भारत जैसे कृषि प्रधान देश में खेतों-किसानों की हालत सुधरेगी तो कुल मिलाकर देश की आर्थिक हालत में भी सुधार आएगा, जीडीपी और प्रति व्यक्ति आय बढ़ेगी, वगैरह-वगैरह। कुछ भी हो कागज की नाव चलती रहनी चाहिए।

आशा है ये अंक आपमें नई ऊर्जा का संचार करेगा |

ढेर सारी शुभकामनाएँ सहित.......

त्रिपुरारि राय
सम्पादक, 'ToB बालमंच',
सहायक शिक्षक, मध्य विद्यालय रौटी, महिषी (सहरसा)

सम्पादक मंडल

प्रधान संपादिका	:-	रूबी कुमारी, उ. म. वि. सरौनी, बौंसी (बाँका)
सम्पादक / ग्राफिक्स डिजाइनर	:-	त्रिपुरारि राय, म. वि. रौटी, महिषी (सहरसा)
सह-संपादिका	:-	ज्योति कुमारी, म.वि. भनरा, (बाँका)
प्रूफ रीडर	:-	विकास कुमार, म.वि.महिसरहो,महिषी (सहरसा)
सहयोगकर्ता	:-	1. मृत्युंजयम् , म.वि.नवाबगंज, समेली, (कटिहार) 2. रंजेश कुमार, प्रा. वि. छुरछुरिया, फारबिसगंज,(अररिया) 3. निधि चौधरी, नया प्रा.वि. सुहागी (किशनगंज) 4. केशव कुमार, रा.बु.वि.मुरौल (मुजफ्फरपुर)
संरक्षक	:-	1. शिव कुमार, संस्थापक- टीचर्स ऑफ़ बिहार 2. ई. शिवेंद्र प्रकाश सुमन, ToB तकनीकी टीम लीडर

-: स्थाई स्तंभ :-

1.	प्रधान सम्पादक की कलम से	14.	विद्यालयी क्रियाकलाप
2.	सम्पादकीय	15.	क्या आप जानते हैं ?
3.	आवरण कथा	16.	अंग्रेजी सीखें
4.	कविता	17.	ड्राइंग / पेंटिंग
5.	कहानी	18.	उभरते सितारे
6.	हँसो रे बाबू	19.	फोटो ऑफ़ द मंथ
7.	बूझो तो जानें	20.	हिंदी ज्ञान
8.	वैज्ञानिक कारण	21.	प्रमुख दिवसें
9.	कहानी बनाओ प्रतियोगिता	22.	प्रेरक प्रसंग
10.	अखबारों की नजर में हम	23.	रोचक तथ्य
11.	उभरते सितारे	24.	खेल-खेल में योग
12.	तकनीकी कोना	25.	तुम भी बनाओ.....
13.	बालमन	26.	आपकी बात आपकी जुबानी

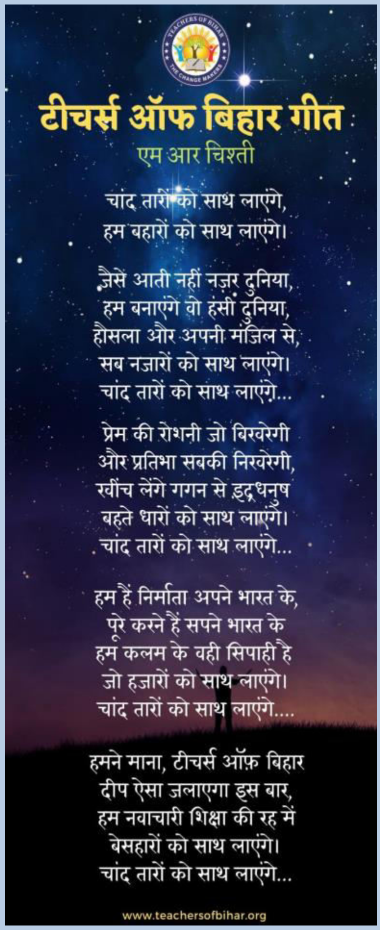

प्रेरक प्रसंग

एक बार गांधी जी एक छोटे से गांव में पहुंचे तो उनके दर्शनों के लिए लोगों की भीड़ उमड़ी। गांधीजी ने लोगों से पूछा, 'इन दिनों आप कौन-सा अन्न बो रहे हैं और किस अन्न की कटाई कर रहे हैं?' तभी भीड़ में से एक वृद्ध व्यक्ति आगे आया और करबद्ध हो बोला, 'आप तो बड़े ज्ञानी हैं। क्या आप इतना भी नहीं जानते कि ज्येष्ठ (जेठ) मास में खेतों में कोई फसल नहीं होती। इन दिनों हम खाली रहते हैं।

गांधी जी ने पूछा, 'जब फसल बोने व काटने का समय होता है, तब क्या बिलकुल भी समय नहीं होता?' वृद्ध ने जवाब दिया, 'उस समय तो हमें रोटी खाने का भी समय नहीं होता। गांधी जी बोले, 'तो क्या इस समय तुम बिलकुल निठल्ले हो और सिर्फ गप्पें हांक रहे हो। यदि तुम चाहो तो इस समय भी कुछ बो और काट सकते हो।'

तभी कुछ गांव वाले बोले, 'कृपा करके आप ही बता दीजिए कि हमें क्या बोना और क्या काटना चाहिए?'

गांधी जी ने गंभीरतापूर्वक कहा - आप लोग कर्म बोइए और आदत को काटिए,
आदत को बोइए और चरित्र को काटिए, चरित्र को बोइए और भाग्य को काटिए, तभी तुम्हारा जीवन सार्थक हो पाएगा।

****

SHREYA JHA, ARUNAWATI
MS BRAMARPUR,
BHAGALPUR

शुभकामना संदेश

'ToB बालमंच' ऑनलाइन पत्रिका इस दिशा में बच्चों के मूल रचनाओं एवं विचारों को एक ऐसा मंच प्रदान कर रहा है जो उनके सृजनशीलता एवं कल्पना को साकार रूप देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य के निर्माण हेतु एक सराहनीय प्रयास है। इस पत्रिका के गुणवत्ता को प्रदर्शित करने के लिए हमारे प्रशंसा के सारे शब्द छोटे पड़ रहे हैं। यह अत्यंत प्रसन्नता की बात है कि 'टीचर्स ऑफ बिहार' के द्वारा बच्चों की मासिक ई-पत्रिका 'ToB बालमंच' का प्रकाशन किया जा रहा है जो सुदूर ग्रामीण इलाकों के बच्चों तक भी आसानी से पहुँच रही है। यह बच्चों का मनोरंजन तो करती ही है साथ ही उन्हें अपने अंदर छिपी प्रतिभा को बाहर निकालने, सीखने तथा अपनी रचनात्मक क्षमता को विकसित करने के अवसर भी प्रदान करती है । यह बच्चों तथा शिक्षकों को एक ऐसा 'अपना मंच' प्रदान करती है जहां बच्चे बेझिझक अपने विचारों तथा कल्पनाओं को आकार देकर, अपनी रचनाओं एवं सृजन को साझा कर सके।

मुझे विश्वास है कि यह पत्रिका बच्चों एवं शिक्षकों को नवाचार तथा सीखने- सिखाने के लिए प्रेरित करती रहेगी । इसकी लोकप्रियता के लिए ToB के संस्थापक तथा ToB बालमंच के पूरे संपादक मंडल को हार्दिक बधाई, साधुवाद, धन्यवाद तथा उतरोत्तर बढ़ती हुई गुणवत्ता के साथ पत्रिका के निर्बाध प्रकाशन हेतु असीम शुभकामनाएँ....

शालिग्राम साह,
वरीय उपसमाहर्त्ता-सह-प्रभारी पदाधिकारी, आपदा प्रबंधन शाखा, बांका

FLN गतिविधि लिंक On TOB

1) https://www.facebook.com/reel/804423151289512

2) https://www.facebook.com/100050201896626/videos/6228385810615693/

3) https://www.facebook.com/reel/1044555586923320

4) https://fb.watch/luvqmOrnEY/

5) https://www.facebook.com/100023494119512/videos/788320136090469/

6) https://www.facebook.com/100023494119512/videos/573322965003291/

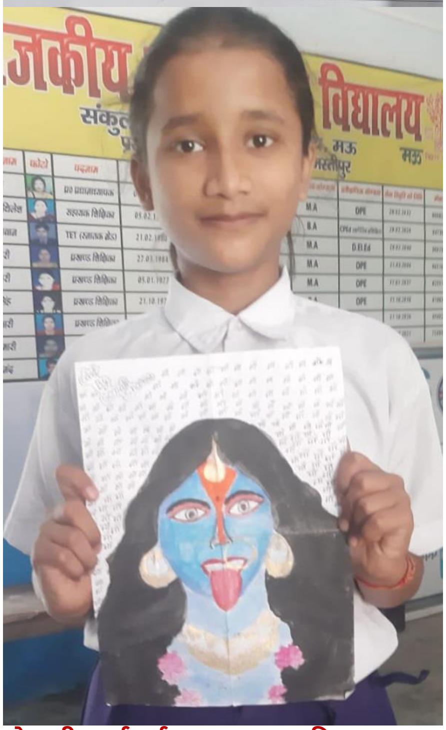

सोनाली शर्मा,वर्ग 7, कन्या मध्य विद्यालय मऊ विद्यापति नगर समस्तीपुर

कहानी बनाओ

दिए गए चित्र को देखें और उसपर एक सुन्दर सा कहानी लिख कर हमें भेजें|| कहानी के साथ अपना पूरा पता और फोन नम्बर अवश्य दें |

बूझो तो जानें..

ना किसी से झगड़ा
ना किसी से लड़ाई
फिर भी होती मेरी
हमेशा पिटाई?

हंसो रे बाबू

महेंद्र : पापा कल हम मालामाल हो जायेंगे

पापा : वह कैसे ?

महेंद्र : कल हमारे गणित के टीचर पैसे को रुपये में बदलना सिखाएंगे !

आरबिन नाज़ कक्षा 4 उ0 म0 वि0 दोगच्छी ठाकुरगंज किशनगंज

क्या आप जानते हैं ?

Q. -1° देशांतर की सबसे अधिक दूरी न्यूनतम होती है ? उत्तर : भूमध्यरेखा पर

Q.' दहाड़ता चालीसा ' क्या है ?
उत्तर : दक्षिणी गोलार्ध में 40° अक्षांश के पास का स्थान जहाँ तेज पछुआ हवाएँ चलती हैं|

Q. माओरी ' का मूल निवास कहाँ है ?
उत्तर : न्यूजीलैंड में

Q. तुंगभद्रा तथा भिमा की नदियाँ किस नदी की सहायक नदियाँ हैं? उत्तर : कृष्णा नदी

Q. छोटानागपुर पठार की सबसे ऊंची चोटी कौन-सी ? उत्तर : पारसनाथ

Q. विश्व का सबसे बड़ा प्रायद्वीप कौन-सा है ? उत्तर : अरब प्रायद्वीप

Q. सिनकोना वृक्ष से मलेरिया की कौन सी दवा बनाया जाती है ? उत्तर : कुनैन

Q. भारत की सबसे बड़ी नहर परियोजना कौन सी है? उत्तर : इन्दिरा गाँधी नहर

Q. भाखड़ा-नांगल परियोजना में मानव र्मित झील को किस नाम से जाना जाता है ?
उत्तर : गोविन्द सागर

Q. किस ग्रह को ' लाल तारा ' की संज्ञा दी जाती है ? उत्तर : मंगल को

अंग्रेजी सीखें

1. Ceremony = समारोह
2. Reception = बहूभोज
3. Procession = बारात
4. Garland = फूलों की माला
5. Fiance = मंगेतर
6. Bride = दुल्हन
7. Groom = दूल्हा
8. Greedy = लालची
9. Astray = गुमराह करना
10. Stubborn = जिद्दी
11. Veteran = अनुभवी
12. Veneration = आदर / श्रद्धा
13. Manifestation = अभिव्यक्ति
14. Vacillate = डगमगाना / विचलित होना
15. Megalomanic = घमंडी
16. Spiritual = धार्मिक
17. Moron = बेवकूफ
18. Shy = शर्मिला
19. Incredible = बहुत अच्छा /
20. Affluent = अमीर / धनवान

लक्षिता शर्मा, मध्य विद्यालय मिरचाईबाड़ी, कटिहार।

SHREYA JHA, ARUNAWATI MS BRAMARPUR, BHAGALPUR

फोटो ऑफ़ द मंथ

प्रमुख दिवसें

2 सितंबर	विश्व नारियल दिवस
5 सितंबर	शिक्षक दिवस
8 सितंबर	विश्व साक्षरता दिवस
9 सितंबर	वर्ल्ड फर्स्ट एड डे
12 सितंबर	ग्रैंड पैरेंट्स डे
14 सितंबर	हिंदी दिवस
15 सितंबर	इंजीनियर्स डे
21 सितंबर	अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस
22 सितंबर	वर्ल्ड रोज डे
24 सितंबर	विश्व बधिर दिवस
25 सितंबर	विश्व नदी दिवस
26 सितंबर	विश्व गर्भनिरोधक दिवस
26 सितंबर	वर्ल्ड एनवायरनमेंट हेल्थ डे
27 सितंबर	विश्व पर्यटन दिवस
28 सितंबर	विश्व रेबीज दिवस
28 सितंबर	सूचना की सार्वभौमिक पहुंच के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस
28 सितंबर	विश्व समुद्री दिवस
29 सितंबर	विश्व हृदय दिवस

हिंदी ज्ञान :

श्रुतिसम/समोच्चारित भिन्नार्थक शब्द (Homonyms Words)

ऐसे शब्द जो पढ़ने और सुनने में लगभग एक-से लगते हैं, परंतु अर्थ की दृष्टि से भिन्न होते हैं, श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्द कहलाते हैं।

दूसरे शब्दों में- कुछ शब्द ऐसे होते हैं जिनमें स्वर, मात्रा अथवा व्यंजन में थोड़ा-सा अन्तर होता है। वे बोलचाल में लगभग एक जैसे लगते हैं, परन्तु उनके अर्थ में भिन्नता होती है। ऐसे शब्द 'श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्द' कहलाते हैं।

जैसे- घन और धन दोनों के उच्चारण में कोई खास अन्तर महसूस नहीं होता परन्तु अर्थ में भिन्नता है। जैसे - घन= बादल
धन= सम्पत्ति

कुछ शब्द नीचे दी जा रही है :

(1) अचार आचार	खट्टा खाद्य पदार्थ व्यवहार	(2)अधम अधर्म	नीच पाप
(3) अवधि अवधी	समय भाषा	(4) अन्न अन्य	अनाज दूसरा

बालमन

TOB बालमंच ई मैग्जीन के सभी अंक मुझे पसंद आते हैं। मैं इसके सभी अंक पढ़ता हूं। इसमें बच्चों के सभी प्रतिभाओं को विशेष महत्व दिया जाता है।

इस मैगजीन की यह बात मुझे काफी पसंद है। चाहे वह किसी भी प्रकार की कला हो हमारी सभी कलाओं को इस मंच के द्वारा सम्मान दिया जाता है। साथ ही हमारे मन की बातें को कहने का एक नया मंच "बालमन" को भी इसमें रखा गया है जिससे हम स्पेशल फील करते हैं। उम्मीद करता हूं कि यह बालमंच खूब आगे बढ़े और हमारे जैसे कई बच्चों को विशेष पहचान दिलाने में कामयाब हो।

TOB बालमंच की पूरी टीम को प्रणाम और बहुत-बहुत धन्यवाद।

:- समीक्षा राय, वर्ग-6

TEACHERS OF BIHAR

The change makers....

वैज्ञानिक कारण

बिजली चमकने के बाद ही बादल क्यों गरजते हैं?

वास्तव में जब बादल आपस में टकराते हैं तो उस वक्त बिजली की चमक और बादलों की गरज दोनों साथ-साथ उत्पन्न होती है। लेकिन प्रकाश की चाल ध्वनि की चाल से अधिक होती है, इसीलिए हमारे आंखों को बिजली की चमक पहले दिखाई देती है और बादलों की गर्जन बाद में सुनाई देती है। इसी कारण हमेशा लगता है कि पहले बिजली चमकती है लेकिन बादल गरजने और चमकने की दोनों प्रक्रिया एक साथ होते हैं।

-: प्रस्तुतकर्ता :-

त्रिपुरारि राय
मध्य विद्यालय रौटी, महिषी (सहरसा)

आओ योग सीखें..... प्राणायाम

बटरफ्लाई पोज

बटरफ्लाई पोज मन को शांत रहने और थकान दूर करने में मदद करता है। यह बच्चों में फोकस को भी बढ़ाता है जिससे की बच्चे आसानी से ध्यान केंद्रित रख पाते हैं।

यहां जानें इसे करने का सही तरीका

बैठना है और पैर के तलवों को आपस में मिला लेना है। इस दौरान रीढ़ की हड्डी को सीधा रखें और एब्स को कस कर रखें।

प्रत्येक पैर को हाथ से पकड़ें लें। अब दोनों पैरों को तितली के पंख की तरह ऊपर नीचें हिलाएं।

इसे लगातार 30 सेकंड तक करना है, यदि बच्चा जल्दी थक जाता है तो धीरे धीरे कर के उनके समय को बढ़ाएं।

शिक्षक दिवस के अवसर पर बिहार के उत्कृष्ट 101 शिक्षकों को मिला प्रज्ञा पुरस्कार 2023

पटना नई सोच एक्सप्रेस। शिक्षक दिवस के अवसर पर राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद बिहार पटना एवं बिहार की सबसे बड़ी प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी टीचर्स ऑफ बिहार के संयुक्त तत्वाधान में शिक्षा के क्षेत्र में प्रतिष्ठित पुरस्कार प्रज्ञा अवार्ड 2023 की घोषणा की गई। इस पुरस्कार के अंतर्गत बिहार के वैसे शिक्षक एवं शिक्षिका जो अपने विद्यालयों में आयोजित गतिविधि को टीचर्स ऑफ बिहार के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म कुटुंब एप एवं फेसबुक ग्रुप टीचर्स ऑफ बिहार द चेंज मेकर्स पर नियमित रूप से साझा करते हैं। केवल वैसे शिक्षक एवं शिक्षिकाओं में से ही उनके

उत्कृष्ट गतिविधि के आधार पर प्रत्येक जिले के टीओबी डिस्ट्रिक्ट मेंटर की अनुसंशा के आलोक में 3 उत्कृष्ट शिक्षक/शिक्षिकाओं का चयन किया गया। चयनोपरांत सोशल मीडिया टीम के मॉडरेटर्स के द्वारा बिहार के 38 जिलों से चयनित 3-3 शिक्षकों के पोस्ट का सत्यापन किया गया। जिसके उपरांत राज्य स्तरीय टीम के द्वारा अंतिम रूप से प्रत्येक जिले के 3 उत्कृष्ट शिक्षक/शिक्षिकाओं के नाम की पुष्टि की गई। चयनित सभी शिक्षक/शिक्षिकाओं के लिए एससीईआरटी के निदेशक सज्जन आर, संयुक्त निदेशक शैक्षिक, डॉ. रश्मि प्रभा एवं टीचर्स ऑफ बिहार के फाउंडर शिव कुमार के संयुक्त हस्ताक्षर से निर्गत डिजिटल प्रशस्ति पत्र टीचर्स ऑफ बिहार के वेबसाइट पर अपलोड कर दी गई है। जिसे सभी जिले के चयनित शिक्षक डाउनलोड कर सकते हैं। टीम के फाउंडर शिव कुमार ने कहा कि प्रज्ञा पुरस्कार अब प्रत्येक साल शिक्षक दिवस के अवसर पर बिहार के प्रत्येक जिले से चयनित शिक्षक/शिक्षिकाओं को दिया जाएगा।

एससीईआरटी पटना और टीचर्स ऑफ बिहार के संयुक्त तत्वाधान में शिक्षक दिवस के अवसर पर बिहार के उत्कृष्ट 101 शिक्षकों को मिला "प्रज्ञा पुरस्कार 2023"

प्रगति इंडिया संवाददाता

पटना। शिक्षक दिवस के अवसर पर राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद बिहार पटना एवं बिहार की सबसे बड़ी प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी टीचर्स ऑफ बिहार के संयुक्त तत्वाधान में शिक्षा के क्षेत्र में प्रतिष्ठित पुरस्कार "प्रज्ञा अवार्ड 2023" की घोषणा की गई। इस पुरस्कार के अंतर्गत बिहार के वैसे शिक्षक एवं शिक्षिका जो अपने विद्यालयों में आयोजित गतिविधि को टीचर्स ऑफ बिहार के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म कुटुंब एप एवं फेसबुक ग्रुप टीचर्स ऑफ बिहार 'द चेंज मेकर्स' पर नियमित रूप से साझा करते हैं। केवल वैसे शिक्षक एवं शिक्षिकाओं में से ही उनके उत्कृष्ट गतिविधि के आधार पर प्रत्येक जिले के टीओबी डिस्ट्रिक्ट मेंटर की अनुसंशा के आलोक में 3 उत्कृष्ट शिक्षक/शिक्षिकाओं का चयन किया गया। चयनोपरांत सोशल मीडिया टीम के मॉडरेटर्स के द्वारा बिहार के 38 जिलों से चयनित 3-3 शिक्षकों के पोस्ट का सत्यापन किया गया। जिसके उपरांत राज्य स्तरीय टीम के द्वारा अंतिम रूप से प्रत्येक जिले के 3 उत्कृष्ट शिक्षक/शिक्षिकाओं के नाम की पुष्टि की गई। चयनित सभी शिक्षक/शिक्षिकाओं के लिए एससीईआरटी के निदेशक सज्जन आर, (भा.प्र.से.), संयुक्त निदेशक शैक्षिक, डॉ. रश्मि प्रभा एवं टीचर्स ऑफ बिहार के फाउंडर शिव कुमार के संयुक्त हस्ताक्षर से निर्गत डिजिटल प्रशस्ति पत्र टीचर्स ऑफ बिहार के वेबसाइट पर अपलोड कर दी गई है। जिसे सभी जिले के चयनित शिक्षक डाउनलोड कर सकते हैं। टीम के फाउंडर शिव कुमार ने कहा कि "प्रज्ञा पुरस्कार" अब प्रत्येक साल शिक्षक दिवस के अवसर पर बिहार के प्रत्येक जिले से चयनित शिक्षक/शिक्षिकाओं को दिया जाएगा। इसके लिए प्रत्येक शिक्षक को टीओबी के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म कुटुंब एप या फेसबुक पर अपलोड करना होगा। उन्होंने कहा कि इसका उद्देश्य यही है कि वैसे शिक्षक जो अपने विद्यालय में नवाचार करते हैं उनके नवाचारी गतिविधि को पूरे बिहार के शिक्षक देख सके और अपने विद्यालय में उसका अनुकरण कर शैक्षिक बेहतरी का प्रयास कर सके। इसकी जानकारी टीचर्स ऑफ बिहार के प्रदेश प्रवक्ता रंजेश कुमार एवं प्रदेश मीडिया संयोजक मृत्युंजय ठाकुर ने संयुक्त रूप से दी।

मूल्य :02
सासाराम, सोमवार
25 सितम्बर, 2023
वर्ष :09 अंक: 349
पृष्ठ : 12
हिन्दी दैनिक
आजादी अभिव्यक्ति की
मीडिया दर्शन
www.mediadarshan.in
नई दिल्ली, गाजियाबाद बस्ती, और सासाराम से प्रकाशित

टीचर्स ऑफ बिहार बालमन पत्रिका द्वारा प्रतिभा खोज परीक्षा आयोजित हुई, सफल प्रतिभागियों को किया पुरस्कृत

- आयोजित प्रतियोगिता में जिले के कई जगहों से छात्र छात्राओं ने लिया हिस्सा।
- प्रतियोगिता परीक्षा का थीम राखी प्रदर्शित कर विशेषताओं पर प्रकाश डालना रहा।
- उपरोक्त पत्रिका के प्रधान संपादक धीरज द्वारा प्रतिभागियों को परितोषित ईनाम देकर उत्साहवर्द्धन किया गया।

मीडिया दर्शन रामगढ़ कैमूर / टीचर्स ऑफ बिहार बालमन पत्रिका के बैनर तले रविवार को आयोजित मासिक प्रतिभा खोज परीक्षा में जिले के कई प्रखंड के छात्र छात्राओं ने हिस्सा ले अपनी प्रतिभा को निखारा। इस दौरान सफल आने वाले वैसे छात्र प्रतिभागी को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।ज्ञात हो कि टीचर्स ऑफ बिहार बालमन पत्रिका शिक्षा के क्षेत्र में अपनी अग्रणी भूमिका अदा करी रही है। जिससे जिले के टैलेंट बच्चों की पहचान कर उन्हें उत्साहवर्द्धन किया जा रहा है। उपरोक्त पत्रिका लगातार शिक्षा के क्षेत्र में अपनी नई पहचान कायम कर रही है।रविवार को आयोजित कार्यक्रम की थीम राखी निर्माण में तीन वर्गों में कुल 12 छात्र प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत बालमन लेखन समूह की लीडर शिक्षिका खुश्बू कुमारी,उत्क्रमित मध्य विद्यालय दुघरा,स्वाति सिंह शिक्षिका एनपीएस भेरि,चांद बबिता देवी शिक्षिका उर्दू प्राथमिक विद्यालय अखलासपुर,सुनीता कुमारी एनपीएस हसनपुरा भभुआ के द्वारा फीता काट एवं दीप प्रज्वलित कर किया गया। सभी प्रतिभागियों ने बनाये हुए राखी को प्रदर्शित कर उसकी विवेचना पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में प्रथम स्थान प्राप्त पाने वाले वेस्ट तीन विजेता विद्यार्थी को टेबल लैंप, दूसरे स्थान पर चार विजेता को दीवार घड़ी तथा तृतीय स्थान पर विजेता पांच विद्यार्थी को कलर सेट देकर सम्मानित किया गया। मौके पर टीचर्स ऑफ बिहार बालमन के प्रधान संपादक धीरज कुमार बालमन चांद के प्रधान संपादक प्रमोद कुमार निराला सहित बच्चों के अभिभावक कार्यक्रम में शामिल रहे।

शराब मामले में एक एवं वारंटी समेत तीन गिरफ्तार

मीडिया दर्शन दुर्गावती कैमूर। स्थानीय पुलिस ने शनिवार की रात्री वारंटी और शराब के नशे मे तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया.जिसमे दुर्गावती थाना क्षेत्र के बिछिया गांव निवासी जाहिद अंसारी को प शराब के नशे मे गिरफ्तार किया गया है. वही दुर्गावती थाना क्षेत्र के खरखोली गांव निवासी राधेश्याम बिंद एवं सरियाव गांव निवासी महातीम बिंद को पुलिस ने कोर्ट से निर्गत वारंट के मामले में गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई में जुट गई है.

दैनिक समाज जागरण
राष्ट्रीय संस्करण
RNI: UPHIN/2021/84200
http://samajjagran.in
मंगलवार 26 सितम्बर 2023

राष्ट्रपति पुरस्कार आवेदन के लिए अब शिक्षकों की सेवावधि न्यूनतम दस वर्ष आवश्यक

पियुष रंजन सिंह समाज जागरण विशेष संवाददाता पूर्णियां प्रमंडल

5 सितंबर को प्रत्येक वर्ष शिक्षक दिवस के अवसर पर बिहार के शिक्षकों को शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए राष्ट्रपति एवं राजकीय पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है। राष्ट्रपति पुरस्कार के रूप में शिक्षकों को 50 हजार रुपए की राशि का चेक एवं प्रशस्ति पत्र दिया जाता है। उन्हीं शिक्षकों को राज्य सरकार के द्वारा भी 30 हजार रुपए की राशि का चेक सम्मान स्वरूप दिया जाता है जबकि, राजकीय पुरस्कार प्राप्त करने वाले शिक्षकों को 15 हजार रुपए की राशि का चेक एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाता है। बिहार के शिक्षकों को अधिक से अधिक इस पुरस्कार के लिए आवेदन करने हेतु जागरूक करने के उद्देश्य से बिहार की सबसे बड़ी प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी टीचर्स ऑफ बिहार के द्वारा रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पेज पर एक्सक्लूसिव टॉक शो 'सवाल आपके,जवाब हमारे' का आयोजन किया गया।इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार विजेता अनिल कुमार सिंह (2023), कुमारी गुड्डी (2023), द्विजेंद्र कुमार (2023), सौरव सुमन (2022), हरिदास शर्मा (2021) एवं पप्पू हरिजन (2019) शामिल हुए। कार्यक्रम से जुड़े शिक्षकों के सवालों का जवाब देते हुए अतिथियों ने कहा कि राष्ट्रपति पुरस्कार के लिए बिहार के सभी शिक्षक चाहे वह नियमित हो या नियोजित,सभी तरह के शिक्षक (प्राथमिक,उच्च प्राथमिक, माध्यमिक,उच्चतर माध्यमिक)एवं प्रधानाध्यापक आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि वर्ष 2023 में ही विभाग द्वारा यह संशोधन किया गया है कि,अगले वर्ष 2024 से केवल वही शिक्षक एवं शिक्षिका आवेदन कर सकते हैं जिनकी सेवा अवधि न्यूनतम 10 वर्ष पूर्ण होगी। राष्ट्रपति पुरस्कार के लिए बिहार से अधिकतम 6 शिक्षक/शिक्षिकाओं का चयन किया जा सकता है परंतु,अभी तक किसी भी वर्ष अधिकतम शिक्षक/शिक्षिकाओं को

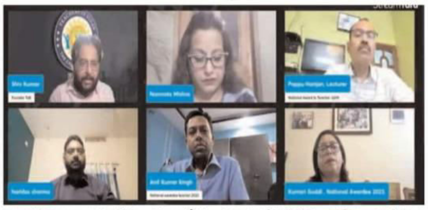

राष्ट्रपति पुरस्कार नहीं मिल पाया है। इसके लिए प्रत्येक वर्ष जून-जुलाई महीने में विभाग के द्वारा आवेदन आमंत्रित किया जाता है। एक ही आवेदन से राष्ट्रपति एवं राजकीय दोनों पुरस्कार के लिए चयन किया जाता है। विदित हो कि स्क्रूटनी के क्रम में प्रत्येक जिले से अधिकतम 3 शिक्षकों के नाम की अनुशंसा जिला शिक्षा पदाधिकारी के द्वारा की जाती है। फिर भी, प्रत्येक जिले से शिक्षकों के द्वारा आवेदन नहीं भरा जाता है। जिसके कारण किसी-किसी जिले से एक भी शिक्षकों का चयन राजकीय पुरस्कार के लिए भी नही हो पाता है। उन्होंने कहा कि आवेदन की प्रक्रिया थोड़ी जटिल जरूर है लेकिन, उतनी भी जटिल नहीं है कि,कोई शिक्षक ठीक तरह से आवेदन भी नहीं भर पाएं।

आवेदन करने के लिए शिक्षकों को अपने शैक्षिक उपलब्धियों से संबधित दस्तावेजीकरण करना अनिवार्य होता है। इसलिए अगले वर्ष 2024 के लिए आवेदन करने के इच्छुक शिक्षक/शिक्षिका अभी से ही अपने कार्यों की दस्तावेजीकरण करते रहें।कार्यक्रम को मॉडरेट करते हुए टीचर्स ऑफ बिहार के फाउंडर शिव कुमार ने कहा कि टीचर्स ऑफ बिहार के विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से जुड़े शिक्षक एवं शिक्षिका जो नियमित रूप से अपने विद्यालय में आयोजित नवाचारी गतिविधियों का दस्तावेजीकरण करते रहते हैं,उनकी सुविधा के लिए बहुत जल्द ही बिहार के राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त शिक्षकों का विवरण टीचर्स ऑफ बिहार के मंच पर साझा किया जाएगा,जिनसे संबधित शिक्षक व्यक्तिगत रूप से संपर्क स्थापित कर आवेदन के क्रम में आने वाली तकनीकी समस्याओं का समाधान प्राप्त कर सकते हैं।

कार्यक्रम का संचालन टीचर्स ऑफ बिहार के फाउंडर पटना जिले के शिक्षक शिव कुमार एवं टीम लीडर भागलपुर जिले की शिक्षिका नम्रता मिश्रा ने किया।यह जानकारी टीचर्स ऑफ बिहार के प्रदेश प्रवक्ता सह शिक्षक(अररिया)रंजेश कुमार ने दी।

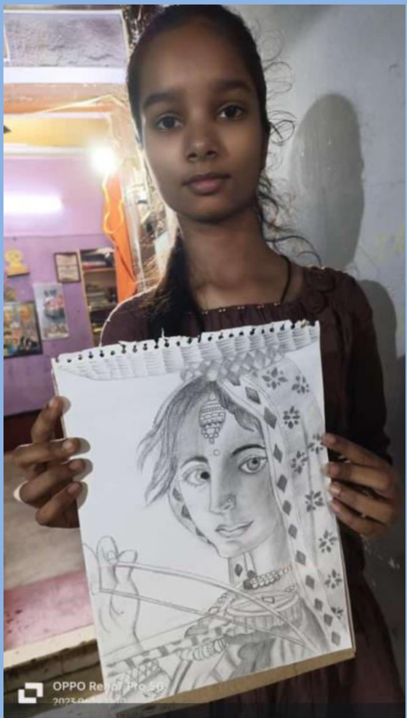

रिया कुमारी, वर्ग - 8 थाना मध्य विद्यालय फारबिसगंज

शुभम प्रजापति, वर्ग 7, उत्क्रमित मध्य विद्यालय खजरा

"मैंने शिक्षा संकल्प लिया है और भारत का एक जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए पूरी ईमानदारी के साथ अपनी शिक्षा को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हूं।" आप नीचे दिए गए लिंक को विजिट कर https://pledge.mygov.in/shiksha-sankalp/

संकल्प ले अपना सर्टिफिकेट प्राप्त कर सकते हैं। आइए मिलकर इसे सफल बनाएं।

अश्वनी प्रजापति, वर्ग 2, उत्क्रमित मध्य विद्यालय खजरा

सभ्यता कुमारी, वर्ग 8, उत्क्रमित मध्य विद्यालय खजरा

रितु कुमारी वर्ग 2 प्राथमिक कन्या विद्यालय लक्ष्मीपुर रोसड़ा (समस्तीपुर)

फरहाना परवीन, कक्षा-4, उ0 म0 वि0 दोगच्छी, ठाकुरगंज (किशनगंज)

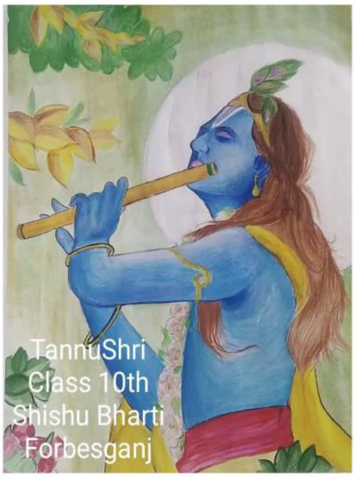

TannuShri
Class 10th
Shishu Bharti
Forbesganj

गर्मी छुट्टी में कक्षा एक के बच्चों को मिट्टी के खिलौने बना कर लाने बोली थी| कुछ बच्चे लाए जो इस प्रकार हैं| एक लड़का sofa बनाकर लाया|

:- जाग्रति कुमारी (शिक्षिका), मध्य विद्यालय पुरैनी, जगदीशपुर।

पहचान

रंगो से हमारी पहचान नही,
काले गोरे का भदे नही।
रहे पहाड़ या फिर भूतल में,
भेद भाव हम में नही।

झुके न हम कभी कहीं,
उचाइयों को हम छुए सभी।
मुश्किलों से न हम घबराए,
गुणों से हमारी पहचान सही।

हमारा भारत सबसे अलग रही,
तीन रंगो का तिरंगा सही।
जोड़ के एक दूजे से रखी
शिक्षा हमको मिली यही ।।

नाम- अक्स नाज, कक्षा- १०
ठाकुरगंज

Name: Suhani Suman, Class-7, M.S. Siropatti, Samastipur

Sanjana kri, 6th ,ums Jhitkahiyan Rampur, Vaishali

Neha kri, 5th, UMS Jhitkahiyan Rampur, Vaishali

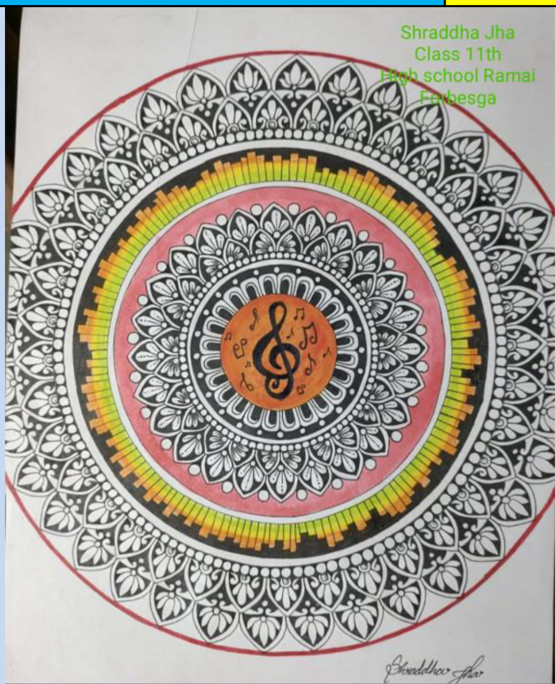

Shraddha Jha
Class 11th
High school Ramai
Forbesga

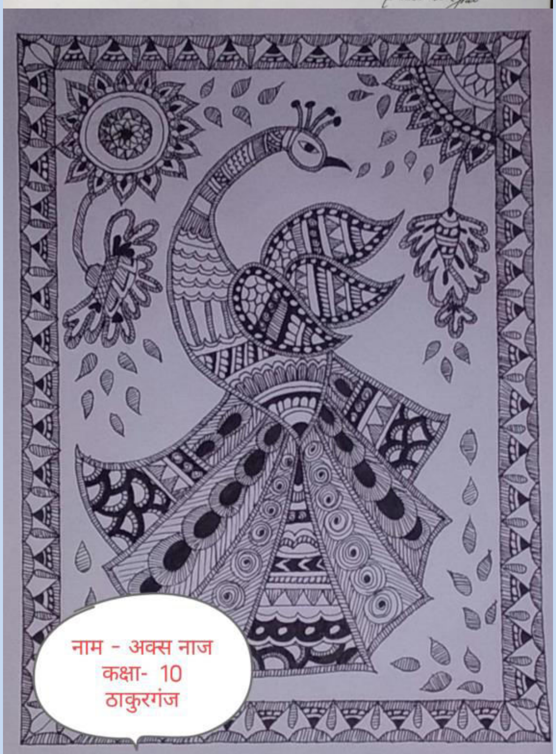

नाम - अक्स नाज
कक्षा- 10
ठाकुरगंज

विद्यालयी क्रियाकलाप

राकेश कुमार कक्षा 8 मध्य विद्यालय पाढ़ी चांद कैमूर

अनुप्रिया कुमारी वर्ग 8 उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय छोटका कटरा मोहनियां कैमूर

शोभा कुमारी, वर्ग 8, उत्क्रमित मध्य विद्यालय खजरा

पृथ्वी को हमें बचाना है

पृथ्वी को हमें बचाना है
अधिक वृक्ष लगाना है
प्लास्टिक का उपयोग
हरगिज़ नहीं करना है।

जान लो बच्चा
पृथ्वी के लिए
प्लास्टिक नहीं है अच्छा
इसे उपयोग में

लाने के लिए
करना न कतई इच्छा।
न सड़ता है न गलता है
पृथ्वी को यह
बर्बाद करता है।

प्रदूषित हो रहे पर्यावरण को,
पृथ्वी को भी हमें बचाना है
आओ पर्यावरण को
सुंदर स्वचछ बनाना है,
कूड़ा-कचड़ा नहीं फैलाना है
यह संकल्प हम सबको लेना है
अधिक वृक्ष लगाना है।

- चाँद बहार,
पता:- फलका, कटिहार

किताब

हमारी सहेली किताब
हर पल हमारे साथ रहती,
न कुछ कहती, न कुछ सुनती ।
बस हमें समझाती रहती,
हमारी सहेली बहुत ही अच्छी।

ज्ञान की बात हमें शिखती,
बैठे - बैठे हमें दुनिया की सैर कराती।
हर प्रशन का जवाब है देती,
कभी ना हम से नाराज़ होती।

यह है जीवन में बहुत ही खास,
इसका करो तुम एहसास।
अच्छी किताबो पर करो विश्वास,
रखो तुम इसको अपने पास।

बिना मोल के देती ज्ञान,
इस का करो तुम सम्मान।
इसे न समझो बेजान,
इसी से तो हम बनते महान।
जीवन का हर रंग समझाती है,
यही तो हमें सही रास्ता दिखाती है।
पन्ने - पन्ने मिलकर एक किताब बन
जाती है,
तभी तो यह हमरी अच्छी सहेली
कहलाती है।

नाम - अक्स नाज, कक्षा – 10
ठाकुरगंज

P S Manikpur Ghat Class -5,
Chanshi Kumari, Kishanganj

Md Arshad Alam , class 4th,
Dighalbank, Kishanganj

कू ऐप पर @teachersofbihar के दिलचस्प विचार सुनें:-

https://www.kooapp.com/profile/teachersofbihar

आकृति कुमारी,
UMS MOHANIYA
KAIMUR

वसुंधरा राजे बनर्जी
कक्षा यूकेजी
रोज पब्लिक स्कूल दरभंगा

राकेश कुमार कक्षा 8 मध्य
विद्यालय पाढ़ी चांद कैमूर

Khushi Raj, Class- 6, MS Garaiya Fakirtoli, Amour. Purnea(Bihar)

Wall painting Madu kri, 6th,UMS Jhitkahiyan Rampur, Dist - Vvaishali

कागज का झूमर, लक्ष्मीना कुमारी, वर्ग-7 UMS सिलौटा, भभुआ

कहानी:

मम्मी मुझे स्कूल में महात्मा गांधी बनना है धोती लाओ न बाज़ार से मोहित जिद करने लगा। अरे मोहित अब तो तेरी हद हो गई जब भी कोई जयंती आये तू जिद करने लग जाता है ये बनूँगा वो बनूँगा। बेटा मोहित वेश पहनने से कोई उन महापुरुष जैसा नहीं बन जाता। अब तू धोती पहन लेगा तो गांधी जी बन सकता है क्या?

मोहित बोला क्यों नहीं बन सकता गांधी जी कहते थे सदा सच बोलो क्या मैं आपसे कभी झूँठ बोला क्या? गांधी जी कहते थे सत्य बात को यदि कोई न माने तो सत्याग्रह करना चाहिए। मैंने जब जब आपसे सच बात कही आपने नहीं मानी तो सत्य के लिए मैं आपसे आग्रह करता ही तो हूँ।

बात तो पते की कही मोहित तुमने। जो जैसा जिस महापुरुष के बताई बातों पर चलने लगता है वह वैसा ही बन जाता है।वेश पहनने से वह स्वयं को भी वैसे ही आचरण वाला बनाने लगता है।

मम्मी की बात सुन मोहित मन ही मन गांधी बनने के स्वप्न में खो गया। वह चरखा कातने लगा। डंडा लेकर गांधी जी दांडी मार्च करते थे ऐसे चलने लगा।

तभी मोहित के घर उसके गुरुजी

दीनदयाल जी पधारे। बोले मोहित कल तुम्हें एक हाथ मे गीता लेकर दूसरे हाथ मे लाठी लेकर चलना है।आगे आगे तुम महात्मा गांधी बनकर चलना बाकि हम सब तुम्हारे पीछे रहेंगे।

मोहित ने गुरुजी को प्रणाम किया और मम्मी से हुई बातों का जिक्र भी किया। सुनकर गुरुजी बहुत प्रसन्न हुए। गुरुजी बोले संस्कार बचपन से पड़ना शुरू हो जाते हैं।

सब हँसने लगे। सबने महात्मा गाँधी की जय बोली।

-शुभांगी शर्मा, कक्षा-11, सेठ आनंदीलाल पोद्दार राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय भवानीमंडी, जिला-झालावाड़ (राजस्थान)

मच्छर

मच्छर के हैं दो ही प्रजाति
नर मादा में मादा जाति
धीरे धीरे गाना गाती
सबकी रक्तो को चुराती
मच्छरदानी काम न आए,
जब ये घर में घुस जाए।
एक डंक जब यह मारे,
सारा शरीर खुजाए।
शरीर को लाल कर देती,
अपने बच्चों का पेट पालती
इधर उधर को उड़ते चलती,
चुपके से डंक मरती।
छोटी सी है बड़ी होशियार,
कामो में न माने हार।
किसी ने जो चाँटा मारा
खत्म हुई फिर ये कहानी।

शिखा कुमारी
माध्यमिक विद्यालय बहेरा भभुआ

Farhaan faizy, Class- 2, Thakurganj

किंजल कुमारी वर्ग -6 ,मध्य विद्यालय जरही रोसड़ा समस्तीपुर
(बिहार)

Lakhi hembram class 3
UMS Dogachhi

नाम - अक्स नाज
कक्षा- 10 ठाकुरगंज

आपकी बात आपकी जुबानी

बच्चों आपको TOB बालमंच का ये अंक कैसा लगा? हमें अवश्य बताएं | आप हमें नीचे दी गए किसी भी माध्यम ईमेल या व्हाट्सअप द्वारा सूचित कर सकते हैं |

email- balmanch.teachersofbihar@gmail.com

Whatsapp : 8877318781 (Tripurari Roy)

धन्यवाद

मई 2023

प्रमाण पत्र संख्या
ToB/Bal/2023/19

बालमंच
नन्हीं कलम से ....

ToB उभरते सितारे
प्रशस्ति पत्र

रामराजकुमार
उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय हरदासपुर कुदरा
को टीचर्स ऑफ बिहार के 'बालमंच- नन्हीं कलम से' ऑनलाइन ई-मैग्जीन में उनके सहयोग, समर्पण एवं 'मॉडल निर्माण के लिए 'ToB उभरते सितारे' के रूप में चयनित किया जाता है।
भविष्य के लिए असीम शुभकामनायें।

रूबी कुमारी
प्रधान संपादिका,बालमंच

त्रिपुरारि राय
संपादक एवं क्रिएटिव डिजाइनर, बालमंच

शिव कुमार
संस्थापक

www.teachersofbihar.org

उभरते सितारे

जिनको भी प्रशस्ति-पत्र मिल रहा है उनका लिस्ट इस लिंक पर उपलब्ध है:-
https://www.teachersofbihar.org/award

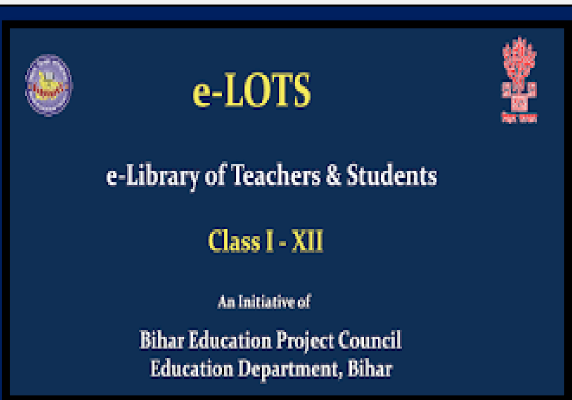

THANKS FOR A VIEW